प्रकाशनार्थ 07 मई 2016, प्रभु प्रेमी संघ कुंभ शिविर उज्जैन

।। अध्यात्मिक विधियों के द्वारा तम्बाकू नियंत्रण कार्यशाला ।।

07 मई, उज्जैन। तम्बाकू के उपयोग को कम से कम करना, विश्व की सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण जनस्वास्थ्य समस्या है। अतः प्रामाणिक तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित तम्बाकू नियंत्रण की रणनीतियों के साथ-साथ हमें अपने समाज के रहन-सहन एवं जीवन पद्धति के अनुरूप तैयार की गई तरीकों की खोज निरंतर जारी रहना चाहिए। धर्म एवं अध्यात्म पर आधारित सामजिक जीवन जिनमें पूजा-अर्चना, प्रार्थना-साधना के अनेक विधि-विधान सम्मिलित हैं, भारतवर्ष का मूल चरित्र कहा जा सकता है । धार्मिक एवं आध्यात्मिक निर्देशों-प्रवचनों द्वारा जनसाधारण के सोचने-समझने का तरीका ही नहीं जीवन पद्धति भी बदलने की अपार क्षमता होती है उसी तारतम्य में आज दिनांक 7 मई को जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशा नन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में अध्यात्मिक विधियों के द्वारा तम्बाकू नियंत्रण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसको सम्बोधित करते हुए पूज्य आचार्यश्री ने कहा नशे से व्यक्ति मानसिक रूप से दुर्बल हो जाता है सर्वाधिक केंसर तम्बाकू के कारण हुए है नशा स्वतंत्र चेतना को खंडित करता है तम्बाकू से व्यक्ति स्वतः ही धरातल पर आ जाता है जब समुद्र मंथन हुआ तो वारुणी कुम्भ निकला, विष कुम्भ निकला, अमृत कुम्भ निकला परन्तु वारुणी का पान कर दैत्य अमृत पान नहीं कर सके क्यूंकि वे नशे में अचेत हो गए थे । शरीर हमारा मंदिर है हमें इसे संवारना चाहिए। पतन सहज है उत्थान कठिन है इस बात को ध्यान रखकर जागरूक रहते हुए व्यसनों से दूर रहना चाहिए। कार्यशाला को स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, स्वामी डा. वरिष्ठानंद जी, डा. विजय हजारे जी, डा. दिलिप कुमार आचार्य जी, डा. बीएम श्रीवास्तव जी, डा. केएल साहू जी एवं डा. निधि व्यास जी ने भी सम्बोधित किया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में सुधि श्रोतागणों ने भाग लिया एवं व्यसन मुक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया।

।। शिक्षा क्रांति महाकुम्भ ।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में

।। सुन्दरकाण्ड ।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में श्री सुनील ध्यानी जी एवं श्रीमति मंजीत ध्यानी जी द्वारा संगीतमयी सुंदरकांड की प्रस्तुति दी गई

।। राष्ट्रीय एकता सम्मलेन ।।

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में श्री सुनील ध्यानी जी एवं श्रीमति मंजीत ध्यानी जी द्वारा संगीतमयी सुंदरकांड की प्रस्तुति दी गई

मीडिया सेल, प्रभु प्रेमी संघ शिविर

उजरखेड़ा, भूखीमाता चौराहे के पास, बड़नगर रोड, उज्जैन